

लगावः बाबा का दरबार गुरु मुरारी का चैला



लगावः बाबा का दरबार,
गुरु मुरारी का चैला,
शनि मंगल ने चौकी लावः,
दुर दुर तं दुखिया आवं,
हो ना होवण दे लाचार,
गुरु मुरारी का चैला।bd।

सुरजमल भक्त स निराला,
सब भक्तां का देखया भालया,
पुजः जिनते पवन कुमार,
गुरु मुरारी का चैला।bd।

जिसकी सुरती बजरंगी में,
रहता ना वो कदे तंगी में,
पा गया हनुमान का प्यार,
गुरु मुरारी का चैला।bd।

कप्तान शर्मा देखया नजारा,
बह कंजावला अम्रत धारा,
गावः कौशिक जी तो मल्हार,
गुरु मुरारी का चैला।bd।

लगावः बाबा का दरबार,
गुरु मुरारी का चैला,
शनि मंगल ने चौकी लावः,
दुर दुर तं दुखिया आवं,
हो ना होवण दे लाचार,
गुरु मुरारी का चैला।bd।

भजन प्रेषक – राकेश कुमार जी,
खरक जाटान(रोहतक)
(9992976579)
वीडियो उपलब्ध नहीं।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>